प्रभात
छिपाएंगे नहीं, छापेंगे
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
www.subhartimedia.com लखनऊ, शुक्रवार, 12 जुलाई 2019, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 12 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित
तम्बाकू सेवन की आदत को बदलने का करें प्रयास: स्वाति सिंह पेज -3

विश्व जनसंख्या और उससे पर्यावरण को खतरे

लखनऊ-प्रभात

यह तथ्य सर्वविदित है कि विश्व जनसंख्या ;अर्थात वर्तमान में रहने वाले मनुष्यों की कुल संख्याद्ध एक सदी के भीतर बहुत अधिक बढ़ गई है। अप्रैल 2019 तक विश्व की जनसंख्या 7ण्7 बिलियन लोगों की आंकी गई थी। दुनिया की आबादी को 1 बिलियन तक पहुँचाने में मानव इतिहास के 2,00,000 वर्षों में लग गएय और पिछले 200 वर्षों के भीतर यह 7 बिलियन तक पहुंच गया। 1315.1317 के महा अकाल के अंत और 1350 में ब्लैक डेथ के बाद से यह 370 मिलियन के पास थी। उसके बाद वैश्विक जनसंख्या में निरंतर वृद्धि होती रही और 1955 और 1975 के बीच जनसंख्या वृद्धि प्रति वर्ष 1ण्8ः दर से तथा 1965 . 1970 के बीच उच्चतम वृद्धि 2.1ः तक बढ़ गई। 2010 और 2015 के बीच वृद्धि दर घटकर 1.2ः हो गई और आगे 21 वीं सदी के अंत तक इसमें और गिरावट का अनुमान है ।

एसएमएस के महानिदेशक प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि हालाँकि सम्पूर्ण वैश्विक जनसंख्या अभी भी बढ़ रही है और 2050 में लगभग 10 बिलियन (1000 करोड) और 2100 में 11 बिलियन (1,100 करोड) से अधिक पहुंचने का अनुमान है। कुल

वार्षिक जन्म 1980 के दशक के अंत में लगभग 139 मिलियन थी और 2011 तक 135 मिलियन के स्तर पर स्थिर रहने की अनिवार्य रूप से उम्मीद थी जबकि इसी बीच मृत्यु दर प्रति वर्ष 56 मिलियन थी और 2040 तक प्रति वर्ष बढ़कर 80 मिलियन होने की उम्मीद है। विश्व की जनसंख्या की औसत आयु 2018 में 30ण्4 वर्ष होने का अनुमान लगाया गया था। यह बहुत ही खतरनाक स्थिति दर्शाती है जबकि अगले 30 वर्षों के भीतर औसत मृत्यु दर 42.8 फीसदी होगी और पर्यावरणीय खतरे के कारण इसमे और वृद्धि हो सकती है।

इस संदर्भ में विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या मुद्दों की तात्कालिकता और महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। यह 11 जुलाई 1987 से मनाया गया और 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की तत्कालीन गवर्निंग काउंसिल द्वारा 5 बिलियन ब्याज दर का दिन लागू किया गया था।